No. of Printed Pages : 8

BPY-004

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2021

BPY-004 : RELIGIONS OF THE WORLD

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the* ***five*** *questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answer to Question nos.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Explicate the meaning of religion and discuss its relation to other disciplines. 20

Or

Explain the views of Emile Durkheim and Auguste Comte on religion.

2. What is the Hindu idea of Moksha and what are the different paths leading to it ? Elucidate. 20

Or

Explain the Kingdom of God as the central teaching of Jesus. Do you think Christianity is a communitarian religion ? Elaborate.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

(a) Explain the eight-fold path of Buddhism as a means of removing suffering. 10

(b) Write a short essay on Tao—the supreme Being. 10

(c) Explain briefly the main metaphysical theories of religion namely; deism, pantheism and theism. 10

(d) How do you understand the plurality of religions ? Explain the pluralistic approach to the issue. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

(a) What are the tribal concept of creation and destruction ? 5

(b) How would you define religion ? 5

(c) Distinguish between Digambaras and Svetambaras. 5

(d) Write a short note on the significance of fire in Zoroastrianism. 5

(e) Explain "Ekam Sat Vipra Bahuda Vadanti." 5

(f) What do you understand by Istadevata ? 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Puranas 4

(b) Satsang 4

(c) Theology 4

(d) Ahuramazda 4

(e) Religious experience 4

(f) Totemism 4

(g) Kingdom of God 4

(h) Karmayoga 4

बी.पी.वाई.-004

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2021
बी.पी.वाई.-004 : विश्व के धर्म

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) सभी ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(*iii*) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

---

1. धर्म के अर्थ को स्पष्ट कीजिए और इसके अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

धर्म के सम्बन्ध में इमाइल दुर्खीम और ऑगस्ट कॉम्टे के विचारों की व्याख्या कीजिए।

2. मोक्ष का हिन्दूवादी विचार क्या है और इसे प्राप्त करने के विभिन्न मार्ग कौन-से हैं ? स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

जीसस की केन्द्रीय शिक्षा के रूप में ईश्वर के साम्राज्य की व्याख्या कीजिए। क्या आप मानते हैं कि ईसाई धर्म एक सामुदायिकतावादी धर्म है ? प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) दु:ख निवारण के साधन के रूप में बौद्ध धर्म के आष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) ताओ—सर्वोच्च सत् पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 10

(ग) धर्म के मुख्य तत्वमीमांसीय सिद्धान्तों जैसे कि देववाद, सर्वेश्वरवाद और ईश्वरवाद की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

(घ) धर्मों की बहुलता से आप क्या समझते हैं ? इस विषय में बहुलतावादी दृष्टि की व्याख्या कीजिए। 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) सृष्टि निर्माण और विनाश के सम्बन्ध में जनजातीय विचार क्या है ? 5

(ख) आप धर्म को कैसे परिभाषित करेंगे ? 5

(ग) दिगम्बर एवं श्वेताम्बर के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(घ) जोरोस्ट्रीयनवाद में अग्नि के महत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। 5

(ङ) "एकम् सत् विप्रा बहुदा वदन्ति" की व्याख्या कीजिए। 5

(च) इष्टदेवता से आप क्या समझते हैं ? 5

5. किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पुराण 4

(ख) सत्संग 4

(ग) ईश्वरमीमांसा 4

(घ) अहूरमाजदा 4

(ङ) धार्मिक अनुभव 4

(च) टोटमवाद 4

(छ) ईश्वर का साम्राज्य 4

(ज) कर्मयोग 4